Roll No:- 39
Class No:- 4 Question No:- 1

➢➢ *शंकर और शिव* का बैलेंस

➳ _ ➳ *शक्ति और प्रेम* का बैलेंस

➳ _ ➳ *लव और ला* का बैलेंस

➳ _ ➳ *रहम दिल और विकराल / रूद्र रूप* का बैलेंस

➢➢ *ब्रह्मा स्वरुप*

➳ _ ➳ _नए श्रेष्ठ / शुद्ध संकल्पों की रचना_

➢➢ *विष्णु स्वरुप*

➳ _ ➳ _नए संस्कारों / आदतों की पालना_

➢➢ *शंकर स्वरुप*

➳ _ ➳ _अपने अन्दर की बुराईयों का विनाश_

➢➢ *शंकर स्वरुप*

➳ _ ➳ *अव्यक्त बापदादा :- जब तुम disturbance free हो जाओगे... तब destruction होगा*

→ Destruction is actually not Destruction… It is a *Purification Process...* It Is A *Transformation Process*

→ *दुखों के पहाड़ गिरेंगे और फिर सुखों के पहाड़ खड़े होंगे...*

→ _जब हमारे अन्दर विकारों का विनाश होगा, तब बाहर विनाश होगा_

➳ _ ➳ *सृष्टि परिवर्तन का आधार :- हमारा योगबल और पवित्रता है*

→ *प्रकृति बहुत संवेदनशील है...* हमारी स्थिति का प्रभाव बहुत तेज़ी से प्रकृति पर पड़ता है

➢➢ *अल्बेलेपन के 2 संकल्प*

➳ _ ➳ _जो होगा सो देखा जाएगा_

➳ _ ➳ _यह मेरा कार्य नहीं है_

➢➢ *महत्व सेवा का नहीं सेवा भाव का होता है*

➳ _ ➳ _हज़ारों के सामने speech की.. पर अहंकार से भर गए... तो पुन्य वही नष्ट हो गए_

➳ _ ➳ _बड़े प्यार से भावना से बाबा के घर का बाथरूम साफ़ किया तो उसके मार्क्स ज्यादा है_

➢➢ *दूसरों को माफ़ करना / स्वयं को माफ़ करना*

➳ _ ➳ _दूसरों की एक गलती को हम एक बार भी माफ़ नहीं करते_

➳ _ ➳ _और खुद की एक गलती को हम हज़ारों बार माफ़ कर देते हैं_